

# LOK SABHA DEBATES

Vol. LV

First Day of the Fifteenth Session  
of the Fifth Lok Sabha

No. 1

## LOK SABHA

Monday, January 5, 1976/Pausa 15 1897  
(Saka)

*The Lok Sabha met at fifteen minutes past  
Twelve of the clock.*

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair]

ANNOUNCEMENT RE. RESIGNATION  
BY DR. G. S. DHILLON FROM THE  
OFFICE OF THE SPEAKER

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have to  
inform the House that Dr. G. S. Dhillon  
has resigned the office of the Speaker of  
Lok Sabha on the 1st December, 1975 at  
7 A.M.

## MEMBER SWORN

SHRI S. K. RAI (Sikkim)

12.16 hrs.

## PRESIDENT'S ADDRESS

SECRETARY-GENERAL: I beg to lay  
on the Table a copy of the President's Ad-  
dress to both Houses of Parliament assembled  
together on the 5th January, 1976.

### *President's Address*

माननीय सदस्यगण,

मैं बहुत खुशी से आप सब का स्वागत  
करता हूँ, खास कर सिक्किम के नुमाइन्दों  
का जो मई 1975 में भारतीय यूनियन का  
22वां राज्य बना। सरकार की यह  
कोशिश होगी कि इस पिछड़े पहाड़ी राज्य  
का तेजी से विकास हो।

2. पिछले साल, सरकार की मजबूत  
कार्रवाई की वजह से अर्थ-व्यवस्था में  
अच्छे नतीजों का जिक्र करते हुए मैं आपका  
ध्यान कुछ जमातों को उन कोशिशों की  
तरफ भी दिलाया था जो मौजूदने निजाम  
और संस्थाओं को छिन्न-भिन्न करना चाहती  
थीं जिसे देश की तरक्की और पायेदारी  
को खतरा पैदा हो गया था। मैंने  
उनसे अपील की थी कि तबदीलियां गाने  
के लिए वे वात-चीत का रास्ता अपनायें  
और सुधार के लिए तजवीजों का स्वागत  
किया था। मुझे अफसोस है कि इस अपील  
पर कोई तवज्जो न दी गई। कुछ जमातें  
और ऐसे लोग, जिनके विचार एक दूसरे  
से बिल्कुल अलग थे, देश के आर्थिक और  
राजनीतिक जीवन में रुकावट डालने के  
लिए आपस में मिल गये। उन्होंने लोगों के  
मन में गलतफहमी पैदा करने और बदन्नमनी  
फैलाने के लिए हर मौके का गलत फायदा  
उठाना चाहा। उनकी इन कार्रवाइयों  
से देश को अन्दरूनी सलामती बड़े खतरे में  
पड़ गई थी। उनका मकसद था कि किस  
तरह आर्थिक अपराध रोकने, पैदावार  
वढ़ाने और बढ़ती हुई इन्फ्लेशन पर काबू  
पाने, माल को सही ढंग और तेजी से एक  
जगह से दूसरी जगह पहुंचाने, अर्थ-व्यवस्था  
को पायेदार बनाने और लोगों को राहत  
पहुंचाने के लिए सरकार की जोरदार  
कोशिशों को नाकाम बनाया जाये। देश  
के हित में कड़ा और फैसलाकुन कदम उठाना  
लाजमी हुआ।

3. 25 जून, 1975 के इमरजेंसी  
के एलान, 1 जुलाई, 1975 की 20 सूची